insistence to create an environment which is prejudicial to a fair trial Sir, this is something which is ought to have been resisted.

My respectful submission, Sir, is, now, these facts and the Governor's adviser's order are before us And the Governor was not a BJP Governor, the then Governor, today, is a leading Member in the front benches of the Congress Party in this House, he is a General Secretary of the Congress Party. When this was the Governor's order that these two can't be merged into one, you find fault with Rajnath Singh and Mayawati for not merging the two cases together, when your own Governor, also, under legal advise said that these two can't be merged, Sir, I get an uneasy feeling that this is not a case where 120B has been dropped 120B was never there in Rae Bareily The Rae Bareily chargesheet continues, 120B still not there. There is no question of dropping or diluting the charge. An effort has been made If there was a conspiracy, it was a conspiracy somehow to bring in 120B, somehow it has not succeeded and the entire grievance is really because of that, and it is for this reason, Sir, we oppose this motion.

STATEMENT BY MINISTER

Major accidents occured recently on Northern, South Central, East Central Railways, and Konkan Railway (KRCL)

रेल मन्त्री (श्री नीतीश कुमार) . सभापति महोदय, हाल ही मे उत्तर, दक्षिण मध्य, पूर्व मध्य रेलो तथा कोकण रेलवे (केआरसीएल) पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओ के बारे मे मुझे सदन को बताते हुए दुख हो रहा है। इनमे उत्तर रेलवे पर आग से हुई दुर्घटना और कोकण तथा दक्षिण मध्य रेलवे पर गाड़ी के पटरी से उतरने की दो प्रमुख घटनाएं शामिल है।

15-05-2003 को उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मडल मे लुधियाना तथा लाढोवाल स्टेशनो के बीच 3 55 बजे 2903 अप गोल्डन टेम्पल मेल मे आग लग गई थी। इस दुर्घटना मे 3 सवारी डिब्बे पूरी तरह से जल गए थे (एस-3, एस-4 तथा एस-5) तथा चौथा सवारी डिब्बा अर्थात एस-6 डिब्बा अंशत जल गया था। आग का पता चलने के बाद गाड़ी को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई और उसके पश्चात प्रभावित डिब्बो को शेष गाड़ी से अलग कर दिया गया ताकि और जान-माल की हानि से बचा जा सके। घायल व्यक्तियो को तत्काल चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

मैं खबर मिलते ही रेल राज्य मत्री और अध्यक्ष रेलवे बोर्ड के साथ तत्काल दुर्घटना स्थल का निरीक्षण करने गया। रेलवे बोर्ड के सदस्यो ने भी दुर्घटना स्थल का दौरा किया और बचाव तथा राहत कार्यो का निरीक्षण किया।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना मे 36 व्यक्तियो की जाने गईं तथा 15 अन्य घायल हुए, जिनमे दो को गभीर रूप से चोटें आईं। रेल संरक्षा आयुक्त/उत्तरी क्षेत्र इस दुर्घटना की सांविधिक जाच कर रहे हैं। उन्होने अपनी प्रारभिक रिपोर्ट पेश कर दी है और कहा है कि फॉरेनसिक रिपोर्ट प्राप्त हो जाने के बाद ही घटना के प्रथम दृष्टया कारको का पता चल सकेगा। बहरहाल, अतिम रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।

22-06-2003 को लगभग 21 15 बजे कोकण रेलवे (केआरसीएल) के रत्नागिरी क्षेत्र मे बोल्डरो के गिर जाने से 904 अप कारवाड़-मुम्बई सेंट्रल हॉलीडे स्पेशल गाड़ी का इंजन और पहले चार सवारी डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 52 व्यक्तियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा तथा 26 अन्य घायल हो गए, जिनमें 16 व्यक्तियों को गंभीर चोटे आईं। घायल व्यक्तियों को हर संभव सर्वोतम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।

रेल संरक्षा आयुक्त/मध्य क्षेत्र द्वारा सांविधिक जांच की जा रही है। उन्होंने अपनी प्रारभिक जाच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और अपनी अनन्तिम जाच में कटिंग के दायीं ओर के ढलान की विफलता के कारण रेलपथ की रुकावट का उल्लेख किया है। बहरहाल, अंतिम जांच रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।

02/07/2003 को गुटूर और सिकंदराबाद के बीच चल रही 7201 अप गोलकुडा एक्सप्रेस दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मडल मे विजयवाड़ा-काजीपेट विद्युतीकृत बड़ी दोहरी लाइन वाले खंड पर स्थित वारंगल स्टेशन पर 10 5 बजे पटरी से उतर गई। गाड़ी निर्धारित ठहराव के लिए लूप लाइन पर स्टार्टर सिग्नल पर नहीं रुक सकी और "सैंड हम्प" में प्रवेश कर गई, जिसके बाद रेल इंजन आशिक रूप से निचले सड़क पुल पर गिरकर रेलपथ के नीचे सड़क पर चल रहे ऑटो रिक्शा से टकरा गया।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना मे 21 व्यक्ति मारे गए और 24 अन्य घायल हुए, जिनमें 16 को गंभीर चोटे आयीं। तत्काल चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की गई और घायलों को एमजीएम अस्पताल, वारंगल में भर्ती करा दिया गया। काजीपेट और सिकंदराबाद से चिकित्सा राहत गाड़ियो के साथ साथ डॉक्टर और अधिकारी तत्काल भेज दिए गए।

रेल राज्य मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य यातायात के साथ दुर्घटना स्थल पर बचाव और राहत कार्यो का पर्यवेक्षण करने के लिए रवाना हो गए। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी वारंगल रवाना हो गए। रेल संरक्षा आयुक्त/दक्षिण मध्य क्षेत्र द्वारा इस दुर्घटना की सांविधिक जांच की जा रही है। उन्होंने अपनी प्रारभिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और अनन्तिम जांच में देरी से ब्रेक लगाने का उल्लेख किया है और इस दुर्घटना को रेलवे स्टाफ की विफलता कोटि मे वर्गीकृत किया है। बहरहाल, अंतिम जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

इन तीन बड़ी दुर्घटनाओ मे मृतको के प्रत्येक आश्रित को एक लाख रुपए और गभीर रूप से घायलो को 15,000 रुपए तथा मामूली रूप से घायलो को 5,000 रुपए की संवर्धित अनुग्रह राशि के तत्काल भुगतान की घोषणा कर दी गई थी।

भारतीय रेलो को बहुत से प्रतिकूल बाहरी कारको मे गाड़ियो का परिचालन करना पड़ता है। दिनांक 14 जुलाई, 2003 की रात और 15 जुलाई, 2003 की सुबह पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मडल पर तोड़-फोड़ की चार घटनाए हुईं, जिनके परिणामस्वरूप तीन पैसेंजर गाड़िया यथा 5119 अप सोनपुर-गोरखपुर पैसेंजर, 5219 डाउन कुर्ला-दरभंगा एक्सप्रेस, 285 अप दरभंगा-नरकटियागज पैसेजर पटरी से उतर गई और इन सभी मामलो मे बम से रेलपथ को उड़ा दिए जाने के कारण 530 डाउन गोरखपुर-मुजफ्फरपुर पैसेजर की भारी रुकौनी हुई थी। दुर्घटनास्थल से जिन्दा बम बरामद हुए थे, जिन्हे बाद मे राज्य सरकार के प्राधिकारियो द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया था। सौभाग्यवश इन अप्रिय घटनाओ मे सभी यात्री सुरक्षित बच गए, जबकि काफी अधिक जान-माल की हानि हो सकती थी। गाड़ी सेवाए गभीर रूप से प्रभावित हुई थीं। रेल अधिकारियो को यातायात बहाल करने मे कड़ा संघर्ष करना पड़ा क्योकि उसी मडल के विभिन्न स्थानो पर मात्र पांच घटे के भीतर सभी दुर्घटनाए घटी थीं।

संरक्षा पर व्यापक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देने के उद्देश्य से हमने हाल ही मे सरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की थी, जिसमें निम्न स्तर की विभिन्न कोटियो के रेल कर्मचारियो यथा प्वाइंट्स-मैन, गैंगमैन, ड्रायवर, गार्ड, स्टेशन मास्टर, रेलपथ निरीक्षक, सवारी एवं माल डिब्बा जांच कर्मचारियो आदि ने भाग लिया। इसमे श्रमिको की संगठित यूनियनो तथा रेल अधिकारियो की फैडरेशनो ने भी भाग लिया। इस कार्यशाला मे हुए विचार-विमर्श के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं और सरक्षा सबधी अभियानो को और तेज करने के अलावा इस पर अनुवर्ती कार्रवाई आरंभ कर दी गई है। हालांकि, पिछले वर्षो की तुलना मे दुर्घटनाओं की सख्या मे कमी आई है, फिर भी दुर्घटनाओ को हर कीमत पर रोकने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

रेलवे और अपनी ओर से मै शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी सवेदना प्रकट करता हूँ और घायलो के प्रति हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करता हूँ। धन्यवाद।

श्री सभापति : सदन की कार्रवाई कल पूर्वाह्न 11-00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at twelve minutes past six of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 24th July, 2003

MGIPMRND—2794RS—21.02 2004